

324

प्रेषक,

किशन नाथ,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 24 दिसम्बर, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उपनिदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय के पत्र संख्या: 810/लेखा/बजट/आयोजनेत्तर/2009-10 दिनांक 10 अगस्त, 2011 एवं शासनादेश संख्या: 938/VII-II-11/50-ख/2006 दिनांक 21 अप्रैल, 2011 एवं शासनादेश संख्या: 2808/VII-II-11/50-ख/2006 दिनांक 24 नवम्बर, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 में भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून के आयोजनेत्तर पक्ष अन्तर्गत 240 हजार (रु० दो लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न बी०एम०-15 के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

4- जिन मदों से धनराशि व्यावर्तित की जा रही है उन मदों में इस वित्तीय वर्ष में कोई भी अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत नहीं की जायेगी।

— 2

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च 2012 से पूर्व कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, 00-आयोजनेत्तर, 001-निदेशन तथा प्रशासन (लघु शीर्षक 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान मद योजनान्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के कालम-5 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाई के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या:833/XXVII(2)/2011, दिनांक 20 दिसम्बर, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

(किशन नाथ)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:2105/VII-II-11/50-ख/2006 तद् दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।
6. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(किशन नाथ)
अपर सचिव।

अनुदान संख्या - 23

प्रशासनिक विभाग-औद्योगिक विकास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।

नियंत्रक अधिकारी-निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।

(धनराशि हजार रु० में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्याव-धिक व्यय	वित्तीय वर्षके शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा प्राविधान	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 1 में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
(आयोजनेत्तर)				(आयोजनेत्तर)			
2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, 001-निदेशालय तथा प्रशासन(लघु शीर्षक 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00	300	93	37	2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, 001-निदेशालय तथा प्रशासन(लघु शीर्षक 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00			(क) आवश्यकता न होने के कारण।
27 चिकित्सा प्रतिपूर्ति	270	12	188	09-विद्युत देय	240	130	(ख) बजट प्राविधान कम होने के कारण।
13 टेलीफोन परिव्यय			70			200	
योग-	570	105	225	240	340	330	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के प्रस्तर 151-156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त विभाग

(किशन नाथ)
अपर सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

संख्या: 2105/VII-II-11/50-ख/2006 तद् दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निदेशक, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून
- 3- वित्त अनुभाग-2
- 4- गार्ड फाइल।

संख्या: 833/XXVII(2)/2011 दिनांक 20 दिसम्बर, 2011

(शरद चन्द्र पाण्डेय)
अपर सचिव, वित्त।

आज्ञा से
(किशन नाथ)
अपर सचिव।